आईटी पार्क बनकर तैयार...15000 से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

गीडा : 3.5 एकड़ में फैले आईटी पार्क से सेमीकंडक्टर मिशन से भी जुड़ेगा गीडा

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में तकनीकी विकास को नई दिशा देने वाला आईटी पार्क बनकर तैयार हो गया है। 3.5 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस आईटी पार्क में 36 हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर यूनिट्स की स्थापना प्रस्तावित है, जिससे आने वाले समय में 15 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष व प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। आईटी पार्क की मदद से गीडा सेमीकंडक्टर मिशन से भी जुड़ सकेगा।

गीडा सेक्टर-7 में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह आईटी पार्क पूर्वांचल के युवाओं के लिए रोजगार, स्टार्टअप और नवाचार का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय टीम ने भी इसका निरीक्षण किया है। यह आईटी पार्क आधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां वॉक-इन वर्कस्पेस, स्टार्टअप और फ्रीलांसरों के लिए साझा कार्यस्थल, आईटी और आईटी-ईएस कंपनियों के लिए सर्विस सेंटर, हाई-स्पीड इंटरनेट, डेटा सपोर्ट और अन्य जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराए गए हैं।

इससे न सिर्फ बड़ी आईटी कंपनियों को आकर्षित किया जा सकेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को भी महानगरों की ओर पलायन किए बिना अपने ही क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलेगा।

बदल रहा है गोरखपुर

आईटी पार्क की निर्माणाधीन बिल्डिंग। स्रोत- सोशल मीडिया

गीडा में आईटी पार्क बनकर तैयार हो गया है। आवेदन आने पर उद्यमियों को आसानी से जमीन उपलब्ध करा दी जाएगी।
***-अनुज मलिक,** मुख्य कार्यपालक अधिकारी, गीडा*

एआई प्रोफेशनल्स को मिलेगा मंच

केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट में 'सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' की घोषणा ने देश के तकनीकी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को नई ऊर्जा दी है। मिशन 2.0 के तहत चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग, टेस्टिंग, रिसर्च और स्किल डेवलपमेंट पर विशेष जोर दिया गया है। गीडा का आईटी पार्क स्थानीय स्तर पर उन तकनीकी कंपनियों और प्रोफेशनल्स को मंच प्रदान कर सकता है, जो चिप डिजाइन, एंबेडेड सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।